बाल विवाह

मत करो, मत करो
विवाह बंधन का ये अत्याचार,
अभी तो नए पंख मिले है।
भरने दो इन्हें उड़ान,
नन्ही चिड़िया सह न पायेगी
ज़िम्मेदारियों का यह भार
अभी तो मां मुझे चहकने दे तेरे आँगन
तेरे दिल का टुकड़ा हूँ मैं,
सोच, दौड़कर गयी तो सूना होगा यह आँग
तोड़ दे यह अंधी परम्परा।
मत करो, मत करो यह अत्याचार!!!!

-Ritika Pal
VII D